HTML

IN Hindi

Mr Kn Kumar

2/11/2017

S.N.	Chapter Name	Page No.
1	Introduction	2-7
2	Tags and attributes	7-10
3	Formatting and Styles	11-15
4	Links	16-18
5	Tables	18-23
6	Images	24-26
7	Lists	27-29
8	Frames	30-32
9	Blocks	33-36
10	Forms	37-41
11	Font tag	42-44
12	Embed tag	45-47

HTML in Hindi

- [x] Introduction to **HTML in Hindi**
- [x] Versions of *HTML in Hindi*
- [x] Introduction to HTML tags in Hindi
- [x] Basic tags of HTML in Hindi
- [x] <DOCTYPE> tag in Hindi
- [x] Executing HTML program in Hindi

Introduction to HTML

HTML एक Hyper Text Markup Language है। इसे web pages create करने के लिए यूज़ किया जाता है। HTML Berners lee के द्वारा 1991 में create की गयी थी। आइये सबसे पहले HTML का मतलब समझने का प्रयास करते है। HTML की full form Hyper Text Markup Language होती है। इनमें से हर word को नीचे detail से समझाया जा रहा है।

Hyper

Hyper का मतलब होता है की HTML sequence में नहीं काम करती है। जैसा की किसी programming language में होता है, एक statement के बाद अगला statement execute होगा। यदि कोई HTML file में link है और यूज़र उस पर press करता है तो वो execute हो जाती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है की उससे पहले कितने elements और या वो सभी load हुए है या नहीं। ये भी जरुरी नहीं की किसी एक HTML file से पहले दूसरी HTML file execute नहीं हो सकती है। सभी HTML files independent होती है।

Text

HTML text को format करके webpages के रूप में represent करने के लिए यूज़ की जाती है।

Markup

Markup का मतलब text formatting होता है। आप text को tags के द्वारा mark करते है। जैसे text को tags के द्वारा mark किया जाता है वैसे ही text web page में show होता है। जैसे की यदि आप किसी text को <h1 > tag में लिखेंगे तो webpage page पर वह text बड़ा और bold दिखाई देगा।

Language

HTML एक language है जो web development के लिए यूज़ की जाती है।

HTML versions

अब तक HTML के बहुत से version industry में आ चुके है इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

HTML 1.0

ये HTML का पहला version था। उस समय बहुत कम लोग इस language के बारे में जानते थे। और HTML भी बहुत limited थी।

HTML 2.0

इस version में HTML 1.0 के सभी features थे। इस version के साथ ही HTML website develop करने का बुनियादी माध्यम बन चुकी थी।

HTML 3.0

इस version के आने तक HTML बहुत popular हो चुकी थी। इस version में browsers के साथ compatibility problem होने की वजह से इस version को रोक दिया गया था।

HTML 3.2

इस version में पिछले version के बाद कुछ नए tags add किये गए। ये वो time था जब W3C ने website development के लिए HTML को standard घोषित किया था।

HTML 4.01

इस version में कुछ नए tags के साथ ही cascading style sheet को भी introduce किया गया था। इस समय HTML पूरी तरह modern language बन चुकी थी।

HTML 5.0

ये HTML का latest version है। इसमें multimedia support के लिए कुछ नए tags provide किये गए है।

XHTML

ये version HTML 4.01 के बाद आया था। इसमें HTML के साथ XML को add किया गया था।

HTML tags

एक HTML file tags और text का combination होती है। यदि आपको tags का concept समझ आ जाये तो आप HTML आसानी से समझ सकते है। Basically tag ये बताते है की text के साथ क्या करना है। एक tag एक specific purpose define करता है। हर task के लिए अलग अलग tags बनाये गए है। किसी भी tag के 2 part होते है। Opening tag शुरुआत में लगाया जाता है। इससे interpreter को ये पता चल जाता है की आप क्या करने वाले है। Opening tag के बाद वो text लिखा जाता है जिस पर ये tag apply हो रहा है। इसके बाद closing tag लिखा जाता है। Closing tag से interpreter को पता चलता है की इस tag का उपयोग यंही तक था। Closing tag को opening tag से differentiate करने के लिए closing tag में forward slash लगाया जाता है।Tags का basic structure नीचे दिया जा रहा है।

```
<tagName>    text    </tagName>
```

Some basic tags

निचे आपको HTML के कुछ basic tags दिए जा रहे है। ये वो tags है जो आप हर HTML file में commonly यूज़ करेंगे।

Tag	Explanation
<html> </html>	किसी भी HTML file की शुरुआत इसी tag से की जाती है। ये tag दर्शाता है की ये file एक HTML file है। बाकि सभी tags इस tag के अंदर आते है। ये tag program में सबसे आखिर में close किया जाता है।
<head></head>	इस tag में document के बारे में information होती है। साथ ही यदि आपका web page कोई script apply करता है तो वो भी इसी tag के अंदर define की जाती है। ये tag हमेशा HTML tag के अंदर आता है।
<title> </title>	इस tag के द्वारा web page का title display किया जाता है। ये tag हमेशा head tag के अंदर आता है।
<body></body>	जो भी text body tag में होती है, program के interpret होने के बाद वही display की जाती है। ये tag head tag के close होने के बाद में आता है।

A simple HTML program

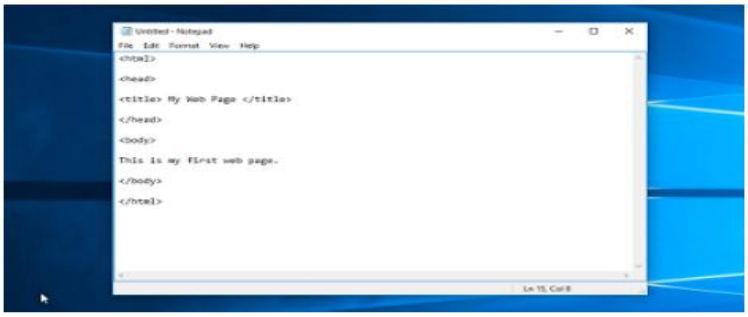
```
<html>
<head>
<title>My Page</title>
</head>
<body>
<h1>
My First Web Page
</h1>
</body>
</html>
```

<!DOCTYPE> tag

कई बार HTML tag से पहले इस tag का इस्तेमाल किया जाता है। ये tag बताता है की आप कौनसा HTML version यूज़ कर रहे है। कुछ browsers security purpose से HTML के पुराने versions को support नहीं करते है। इसलिए ये tag HTML version के बारे में browser को information देता है। जिससे browsers appropriate action ले सके।

Executing HTML program

HTML program को execute करना बहुत ही आसान है। सबसे पहले आप अपने program को किसी text editor में लिख लीजिये। जैसे की notepad आदि।



इसके बाद उस program को .html extension के साथ save कीजिये।

इसके बाद आप उस save की गयी file को open करते है।



इसके बाद आपका webpage browser में automatically open हो जाता है।

HTML tags and attributes

- Some more common **HTML tags in Hindi**
- Introduction to HTML Attributes in Hindi
- Example of HTML attributes in Hindi
- Scope of attributes with *HTML in Hindi*
- Guide lines for using HTML attributes in Hindi
- Common **HTML attributes in Hindi**

Some more common HTML tags

Attributes के बारे में जानने से पहले कुछ और common tags के बारे में नीचे दिया जा रहा है। इन tags का इस्तेमाल आगे आने वाले examples में किया जायेगा।

	ये heading tag होता है। इससे page की heading define की जाती है। इसे आप किसी paragraph से पहले यूज़ कर सकते है और उसकी heading define कर सकते है। इसकी text size पुरे page में सबसे large होती है।
	ये भी heading tag होता है। लेकिन इसकी text size <h1> tag से कम होती है। इसे heading के बाद subheading declare करने के लिए यूज़ किया जाता है।
	ये भी heading tag होता है। इसे subheading के बाद minor heading declare करने के लिए यूज़ किया जाता है। इसकी text size sub heading से कम होती है।
	ये paragraph tag होता है। इसके द्वारा आप एक paragraph अपने page में लिख सकते है और उसको different attributes के द्वारा position कर सकते है। किसी paragraph पर होने वाली सभी formatting आप इस tag के attributes के द्वारा कर सकते है।
</ br>	ये tag line को break करने के लिए यूज़ किया जाता है। इस tag के बाद का text दूसरी line में शो होता है।

Introduction to HTML attributes

जितने भी HTML tags होते है उन सबके attributes होते है। ये name और value के pair में लिखे जाते है। Attributes के द्वारा आप tags को अपने according configure कर सकते है। Attributes को हमेशा starting tag में define किया जाता है। इन्हे define करने का उदाहरण नीचे दिया जा रहा था।

```
<tagName attrName="value">
some text here.
</tagName>
```

Attributes advanced configuration के लिए यूज़ किये जाते है। जैसे की आप default page background नहीं चाहते तो उसको अपने according change कर सकते है। ऐसे ही आप यदि default text color नहीं चाहते है तो उसे भी change कर सकते है। Attributes को यूज़ करना बहुत ही simple है। बस आपको पता होना चाहिए की कौनसा attribute किस जगह यूज़ करना है। आगे attributes से related एक simple उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>myPage</title>
</head>

<body bgcolor="black">

<h1 style="color:pink"> Heading </h1>
<p style="color:yellow">
This is a paragraph. And you are learning html in Hindi.
</p>

</body>

</html>
```

उपर दिए हुए example में 2 जगह attributes यूज़ किये गए है। सबसे पहले <body> tag में bgcolor attribute यूज़ करते हुए page का background color define किया गया है। जब आप default body tag यूज़ करते है तो page का background color white रहता है। लेकिन जैसा की मैने आपको बताया की आप attributes के द्वारा page और text आप अपने according configure कर सकते है। इस attribute के द्वारा आप जो background अपने page का रखना चाहते है वो रख सकते है। जैसे की मैने example में black दिया है।

दूसरा attribute paragraph tag में यूज़ किया गया है। ये style attribute है। इस attribute के द्वारा आप tag पर CSS (Cascading Style Sheet) apply कर सकते है। CSS के द्वारा advanced configuration किया जाता है, जिसके बारे में आप आगे पड़ेंगे। जैसे की आप देख सकते है style attribute

उपर दिए हुए example में 2 जगह attributes यूज़ किये गए है। सबसे पहले <body> tag में bgcolor attribute यूज़ करते हुए page का background color define किया गया है। जब आप default body tag यूज़ करते है तो page का background color white रहता है। लेकिन जैसा की मैने आपको बताया की आप attributes के द्वारा page और text आप अपने according configure कर सकते है। इस attribute के द्वारा आप जो background अपने page का रखना चाहते है वो रख सकते है। जैसे की मैने example में black दिया है।

दूसरा attribute paragraph tag में यूज़ किया गया है। ये style attribute है। इस attribute के द्वारा आप tag पर CSS (Cascading Style Sheet) apply कर सकते है। CSS के द्वारा advanced configuration किया जाता है, जिसके बारे में आप आगे पड़ेंगे। जैसे की आप देख सकते है style attribute के द्वारा CSS apply किया गया है। इससे text का color change किया जाता है। और ऐसा ही heading tag के साथ भी किया गया है।

Scope of attributes

Attributes का scope उनके tags के according होता है। जिस tag के साथ आप जो attribute apply करते है वो उसी tag तक रहता है। जैसे की आपने body tag में style tag को यूज़ करते हुए text color red define किया है। Body tag पुरे page के लिए होता है इसलिए ये attribute पुरे page के text को red में show करेगा। लेकिन ऐसा तब तक ही होगा जब तक कोई body tag से छोटा tag text को दूसरे color में define नहीं करता है। जैसे की आप आगे चलकर किसी paragraph tag का color green define करते है। तो ये color body tag के color को override करेगा। और आपका ये paragraph green text में show होगा। इसका उदाहरण निचे दिया जा रहा है। इसे आप execute करवा कर देख सकते है।

```
<html>
<head>
<title> myPage </title>
</head>

<body style="color:red">

Learn html in Hindi <br>
Lean html in Hindi in 2 days. <br>
Learn html in Hindi pdf.

<p Style="color:green">
This is some text here
</p>

</body>

</html>
```

उपर दिए हुए उदाहरण में आप देख सकते है की paragraph का text color अलग से define किया गया है। ये body के text color को override करता है। HTML attributes को यूज़ करने की कुछ guide line होती है। जिनको follow करके आप attributes का बेहतर इस्तेमाल कर सकते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Guidelines for using HTML attributes

- हमेशा attributes को lower case में define करे।
- हमेशा attributes की values quotation mark में ही define करे।

Common HTML attributes

नीचे आपको HTML में commonly यूज़ होने वाले attributes की list दी जा रही है।

Attribute	Explanation	Example
id	HTML document में किसी tag को uniquely identify करने के लिए id attribute यूज़ किया जाता है। किन्ही 2 tags की id same नहीं हो सकती है।	<p id="mypara">
class	ये attributes tags को अलग अलग class में categories करने के लिए यूज़ किया जाता है। बहुत से tags एक class के हो सकते है।	<h1 class="java" >
title	किसी tag का tittle देने देने के लिए title attribute यूज़ किया जाता है।	<p title="Hello ">
style	इस attribute के द्वारा आप tag पर style rules apply कर सकते है।	<p style="color :red">

HTML text formatting and styles

- Introduction to **HTML text formatting in Hindi**
- Types of *HTML text formatting in Hindi*
- Styling HTML text in Hindi

Introduction to HTML text formatting

HTML में कुछ tags सिर्फ text formatting के लिए provide किये गए है। इन tags का इस्तेमाल करते हुए आप web page पर text की presentation और position को control कर सकते है। जैसे की आप text को bold या underline कर सकते है। किसी text editor में आप ये काम एक button click से कर सकते है लेकिन HTML में इसके लिए आप tags यूज़ कर सकते है। कुछ common formatting type है जो आप text पर apply करते है उसकी list नीचे दी जा रही है।

- Bold
- Italic
- Underline
- Marked
- Superscript
- Subscript
- Small
- Deleted

HTML <b> tag

HTML के द्वारा किसी text को bold करने के लिए <b> tag यूज़ किया जाता है। इसके लिए आप starting और ending tags के beech में text को लिखते है।

```
<b> This text will be bolded. </b>
```

HTML <i> tag

HTML में किसी text को italic बनाने के लिए <i> tag यूज़ किया जाता है।

```
<i> This text will be italic. </i>
```

HTML <ins> tag

किसी text को underline करने के लिए <ins> tag यूज़ किया जाता है।

```
<ins> This text will be underlined</ins>
```

HTML <mark> tag

यदि आप किसी text को highlight करना चाहते है तो उसके लिए <mark> tag यूज़ कर सकते है।

```
<mark> This text will be highlighted </mark>
```

HTML <sup> tag

किसी text को super script करने के लिए आप <sup> tag यूज़ कर सकते है।

```
<p> This is normal text<sup> This will be super scripted </sup> This is
normal again </p>
```

HTML <sub> tag

अगर आप text को subscript में लाना चाहते है तो उसके लिए आप <sub> tag यूज़ करेंगे।

```
<p> This is normal text <sub> This text will be subscripted </sub></p>
```

HTML <small> tag

यदि आप किसी text को दूसरे text से छोटा रखना चाहते है तो इसके लिए आप <small> tag यूज़ कर सकते है। कई editors ऐसा text को highlight करने के लिए भी करते है।

```
<p> Normal Text <small> Smal Text </small> </p>
```

HTML <del> tag

किसी tag को deleted शो करने के लिए आप <del> tag का इस्तेमाल कर सकते है। जब किसी tag को deleted show करते है तो उस text के through line show होती है।

```
<p> <del> This text will be deleted</del></p>
```

इसका एक complete उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Text Formatting</title>
</head>

<body>

<p>
```

इसका एक complete उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Text Formatting</title>
</head>

<body>

<p>
<b> This text will be bolded. </b>
</p>

<p>
<i> This text will be italic. </i>
</p>

<p>
<ins> This text will be underlined</ins>
</p>

<mark> This text will be highlighted </mark>

<p> This is normal text<sup> This will be super scripted </sup> This is
normal again </p>

<p> This is normal text <sub> This text will be subscripted </sub></p>

<p> Normal Text <small> Smal Text </small> </p>

<p> <del> This text will be deleted</del></p>

</body>

</html>
```

Styling HTML text

Text को style करने के लिए जैसे की उसका color change करना या font family change करना आदि के लिए CSS को यूज़ किया जाता है। CSS एक बड़ा topic है। इसके बारे में आप बाद में पढ़ सकते है। यँहा पर सिर्फ आपकी समझ के लिए कुछ styles का इस्तेमाल बताया जा रहा है। इसके लिए आप Style tag यूज़ करते है। और एक CSS property और उसकी values देते है।

Changing text color

किसी भी tag के text का color change करने के लिए आप CSS की color property यूज़ करते है। और इसके बाद colon लगाकर color का नाम देते है।

```
<p style="color:red">This text will be red. </p>
```

Changing font family

Text की font family change करने के लिए आप font family property यूज़ करते है और value के रूप में font family का नाम देते है।

```
<p style="font-family:Arial"> This text will be in Arial </p>
```

Changing text size

Text की size change करने के लिए आप font size property यूज़ करते है और value के रूप में जो size आप चाहते है वह देते है।

```
<p style="font-size: 45"> This size is changed by style tag. </p>
```

Changing text position

Text की position change करने के लिए text align property यूज़ की जाती है और value के रूप में आप left, right या center pass कर सकते है।

```
<p style="text-align="center"> This position is change by style tag</p>
```

इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Text Formatting</title>
</head>

<body>
<p style="color:red">This text will be red. </p>

<p style="font-family:Arial"> This text will be in Arial </p>

<p style="font-size: 45"> This size is changed by style tag. </p>

<p style="text-align:center">
This position is changed by style tag.
</p>

</body>

</html>
```

HTML links

- Introduction to HTML links in Hindi
- Creating links with HTML in Hindi
- Configuring links with HTML in Hindi
- Image links with HTML in Hindi

Introduction to HTML links

एक link ऐसा text या image होती है जिस पर click करते ही आप दूसरे page पर redirect कर दिए जाते है। जब भी आप किसी link पर अपना cursor ले जाते है तो वह एक clickable hand icon में convert हो जाता है। Links का उपयोग basically एक page से दूसरे page पर जाने के लिए किया जाता है। Links web की दुनिया की roads होती है।

HTML में link create करने के लिए <a> tag यूज़ किया जाता है। इसे anchor tag भी कहा जाता है। इस tag के सबसे basic attributes href और target होते है। इन दोनों attributes के बारे में नीचे बताया गया है।

href

इस attribute के द्वारा आप उस page का address define करते है जो आप link के click होने पर show करना चाहते है।

```
href = "page-Address"
```

target

target - इस attribute के द्वारा आप वह frame define करते है जँहा पर आप page शो करना चाहते है। ये attribute optional होता है। यदि आप इसे define नहीं करते है तो page new tab में open होता है। इस attribute कि कुछ predefined values होती हिए जिन्हें आप use कर सकते हैं।

```
target = "frame-Name"
```

- _blank - जब आप ये value define करते है तो आपका webpage new tab या window में open होता है।
- _self - जब आप ये value define करते है तो आपका webpage उसी tab या frame मे open होता है जिसमें link पर click किया गया था।
- _parent - ये value webpage को parent frame में open करती है।
- _top - इस value के द्वारा web page full document में open होता है।
- customFrame - आप खुद का भी कोई frame define कर सकते है। ऐसा करने पार webpage उसी मे open होगा।

Creating links in HTML

जैसा की मैंने आपको बताया की HTML के द्वारा link create करने के लिए आप <a> tag यूज़ करते है। यँहा पर में आपको इसे कैसे यूज़ करते है ये बताने वाला हूँ। आइये इस tag का normal structure देखते है।

```
<a href="address-of-webpage> link-Name </a>
```

HTML में links create करने का complete उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Text Formatting</title>
</head>

<body>

<p>
Go to Google <a href="www.google.com">Click Here</a>
</p>

<p>
Go to Best Hindi Tutorials <a href="www.besthinditutorials.com">Click
Here</a>
</p>

<p>
Go to Facebook <a href="www.facebook.com">Click Here</a>
</p>

</body>

</html>
```

Configuring links

Links को आप अपने page के according configure भी कर सकते है। जैसे की आप apply कर सकते है की जब भी कोई link पर mouse ले जाये तो उसका color green हो जाये और mouse हटाते ही red हो जाये। ये सब आप style tag के द्वारा कर सकते है। इसके लिए आप a के साथ condition colon लगाकर define करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है। इनका उदाहरण आप CSS वाली tutorials में देख सकते है।

Configuring links

Links को आप अपने page के according configure भी कर सकते है। जैसे की आप apply कर सकते है की जब भी कोई link पर mouse ले जाये तो उसका color green हो जाये और mouse हटाते ही red हो जाये। ये सब आप style tag के द्वारा कर सकते है। इसके लिए आप a के साथ condition colon लगाकर define करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है। इनका उदाहरण आप CSS वाली tutorials में देख सकते है।

Condition	Explanation
a:link	इस condition में link first time web page पर show होती है।
a:visited	इस condition में link पहले visit कि जा चुकी होती है।
a:hover	इस condition में mouse पर cursor ले जाया जाता है।
a:active	जब आप किसी link पर click करते है तो वह link active होती है।

HTML tables

- Introduction to **HTML tables in Hindi**
- Creating *HTML tables in Hindi*
- <tr> HTML table row tag in Hindi
- <td> tag HTML table column tag in Hindi
- <th> tag for heading in HTML tables
- Styling HTML tables in Hindi

Introduction to HTML tables

किसी भी data को structured form में represent करने के लिये आप tables use करते है। अपने webpage में tables include करके आप उसे ओर भी structured ओर attractive बना सकते है। HTML मे tables create करने के लिये आप <table> tag युज करते है। इस tag का एक sub tag होता है जिसे <tr> table row tag कहते है। <tr> tag का भी एक sub tag होता है जिसे <td> table data tag कहते है।

Creating tables in HTML

कोई भी table row ओर columns से मिलकर बनी होती है। इसलिये <table> tag के बाद row create करने के लिये आप <tr> tag युज करते है। आप जितनी rows create करना चाहते है उतने ही <tr> tag define करते है। Rows create करने के बाद आप rows मे columns create करते है। Columns create करने के लिये <td> tag का इस्तेमाल किया जाता है। आप जितने columns create करना चाहते है उतने ही <td> tags define करते है।

इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title> Table web page</title>
</head>

<body>

<table border="1">

<tr>
<td>First row first column</td>
<td> First row second coloumn</td>
</tr>
<tr>
<td>Second row first column</td>
<td>Second row second column</td>
</tr>

</table>

</body>

</html>
```

Table create करने के लिए आपको tags का order हमेशा ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले <table> tag आता है। इसके बाद <tr> tag आता है। फिर उसके बाद <th> और <td> tags आते है। <th> और <td> tags हमेशा <tr> tags के अंदर ही आएंगे।

एक बात आपको और ध्यान रखनी चाहिए की जब तक आप border attribute के द्वारा table की border define नहीं करते है तब तक table की border show नहीं होती है।

Creating table headings

आप चाहे तो tables कि first row मे headings भी create कर सकते है। Heading text table के बाकी text से मोटा ओर बडा होता है। यदि आप कोई table create कर रहे है जो employees कि information store करती है तो आप Names ओर addresses आदि headings create कर सकते है। Heading create करने के लिये <th> tag युज किया जाता है। इसे table heading tag कहते है। इस tag मे आप जो text युज करते है वह webpage मे heading कि तरह show होती है। इस tag को <tr> tag के अंदर युज किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Table Heading Page</title>
</head>

<body>

<table border="1">

<tr>
<th> Names</th>
<th>Addresse</th>
</tr>

<tr>
<td>Ram</td>
<td>Ayodhya</td>
</tr>

<tr>
<td>Krishn</td>
<td>Vrindavan</td>
</tr>

</table>

</body>

</html>
```

COLSPAN attribute

आप चाहे तो किसी एक row के column को एक से ज्यादा columns मे भी divide कर सकते है। इसके लिये आप उससे पहले वाले column मे colspan attribute define करते है। जिस column मे आप colspan define करते है वो एक column उतने ही columns की जगह घेरता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Colspan WebPage </title>
</head>

<body>

<table border="1">
<tr>
<th>Names</th>
<th colspan ="2">Mobile No.</th>
</tr>

<tr>
<td>Ram</td>
<td>4856456465486</td>
<td>1235713</td>
</tr>

<tr>
<td>Shyam</td>
<td colspan ="2">12683124598</td>
</tr>


</table>

</body>

</html>
```

उपर दिए गए उदाहरण को देखिये राम के pass 2 mobile numbers है। लेकिन श्याम के pass एक ही mobile number है। यदि आप normally table create करेंगे तो श्याम वाली row में एक column की जगह खाली बच जाएगी। ऐसे में table बिलकुल भी अच्छी नहीं लगेगी। यदि आप चाहते है की श्याम वाली row का एक column ऊपर वाली row के दो columns को cover करे तो आप उस column में colspan attribute यूज़ करते है और जितने columns आप इस एक column से cover करना चाहते है उतनी ही integer values देते है। जैसे की मैने उपर दिए हुए example श्याम वाली row के एक column से राम वाली row के 2 columns cover किये है।

ROWSPAN attribute

ROWSPAN attribute भी colspan की तरह ही होता है। इसे आप <tr> tag में define करते है। इस attribute की आप जितनी values देते है वह एक row उतने ही columns की जगह घेरती है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
 <html>
<head>
<title> Rowspan Webpage </title>
</head>

<body>

<table border="1">
<tr>
<th rowspan="2">Mens</th>
<td>Ram</td>
</tr>

<tr>
<td>Shyam</td>
</tr>

<tr>
<th rowspan="2">Womens</th>
<td>Sita</td>
</tr>
<tr>
<td>Gita</td>
</tr>

</table>

</html>
```

Naming the table

आप चाहे तो table का कोई नाम दे सकते है जिसे caption भी बोलते है। इसके लिए आप <caption> tag यूज़ करते है। इसे <table> tag के बाद define किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title>Naming the tables</title>
</head>

<body>

<table border="2">
<caption> MyTable</caption>
<tr>
<td> Vipin Sharma</td>
<td>India</td>
</tr>
</table>

</body>
</html>
```

HTML images

- Introduction to **HTML and images in Hindi**
- Including images in your web page in Hindi
- Attributes used with *<img> tag in Hindi*
- Example

Introduction to HTML and images

Images से एक web page attractive और beautiful लगता है। HTML के द्वारा web page में आप कोई image add कर सकते है। इसके लिए आप <img> tag यूज़ करते है। <img> tag बहुत से attributes provide करता है जिनसे आप image की representation को control कर सकते है। इन attributes के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Attributes	Explanation
src	इस attribute के द्वारा जो image आप show करना चाहते है उसका URL दिया जाता है।
alt	इस attribute की value text होती है। यदि किसी वजह से आप की image web page पर show नहीं होती है तो उसकी जगह ये text show होता है। एक तरह से ये image का alternative होता है।
width	इस attribute के द्वारा आप image की width set करते है।
height	इस attribute से आप image की height set करते है।
style	इस attribute के द्वारा आप images पर CSS rules apply कर सकते है।

Including images in web page

जैसा की मैने उपर बताया किसी भी web page में images include करने के लिए आप <img> tag का इस्तेमाल करते है। <img> tag के साथ src attribute यूज़ करना necessary होता है। बाकि सभी attributes optional होते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
 <html>
<head>
<title>Web page with image</title>
</head>
<body>

<img src="image-url">

</body>

</html>
```

Setting alternative text with images

यदि किसी वजह से image show नहीं होती है तो alternative text उस जगह पर show होता है। ये attribute search engines को ये बताने के लिए भी यूज़ किया जाता है की ये image किसके बारे में है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Image with alternative text</title>
</head>

<body>

<img src="image-url" alt="Photo of vipin sharma">

</body>

</html>
```

Setting height and width of images

Height और width set करने के लिए आप height और width attributes यूज़ करते है। इनकी values आप integers में देते है।

```
<html>
<head>
<title>Image with alternative text</title>
</head>

<body>

<img src="image-url" height="200" width="200" >

</body>

</html>
```

Setting border of images

आप image की border भी set कर सकते है इसके लिए आप border attribute यूज़ करते है। इस attribute की value border की size होती है।

```
<html>
<head>
<title>Image with alternative text</title>
</head>

<body>

<img src="image-url" border="5" >

</body>

</html>
```

Making image a link

आप चाहे तो image को एक link भी बना सकते है। ऐसा करने से जब भी कोई image पर click करेगा तो एक नया web page open होगा। इसके लिए आप <img> tag को <a> tag में लिखते है। Anchor tag में text की जगह आप <img> tag को define करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Image with alternative text</title>
</head>

<body>
<a href="www.besthinditutorials.com">
<img src="image-url"></a>
</body>

</html>
```

HTML lists

- Introduction to **HTML lists in Hindi**
- Types of *HTML list in Hindi*
  - Ordered list
  - Unordered list
  - Definition list
- Creating HTML lists in Hindi
- Type attribute with ordered HTML list in Hindi

Introduction to HTML lists

HTML में आप किसी भी information को lists के द्वारा भी represent कर सकते है। Lists के द्वारा आप अपने webpage को well ordered बना सकते है। HTML से आप 3 तरह की list बना सकते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Type	Explanation	Example
Ordered-List	ये list ordered form में होती है। इस तरह की list को आप कई तरह से order कर सकते है जैसे की numbers(1,2,3,4,5) और alphabets(a,b,c,d,e,f) आदि। इस तरह की list आप tag के द्वारा create करते है।	A B C D E
Unordered-List	इस तरह की list unordered form में होती है। इस तरह की list के items bullets से represent किये जाते है। इस तरह list आप tag के द्वारा create करते है।	a b c d
Definition-List	Definition list में पहले आप एक list item define करते है और उसके बाद उसकी definition provide करते है। इस तरह की list आप <dl> tag के द्वारा create करते है। List item declare करने के लिए <dt> tag और उसकी definition देने के लिए <dd> tag को यूज़ किया जाता है।	A First Alphabet. B Second Alphabet

Ordered list

जैसा की मैने आपको पहले बताया ordered list create करने के लिए आप <ol> tag का यूज़ करते है। इस tag के बाद list item define करने के लिए आप <li> tag यूज़ करते है। यही tag unordered list में भी यूज़ किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Ordered list </title>
</head>

<body>

<ol>
<li>Ram</li>
<li>Shyam</li>
<li>Sita</li>
<li>Gita</li>
</ol>

</body>

</html>
```

Type attribute

Ordered list के साथ आप type attribute भी यूज़ कर सकते है। Type attribute के द्वारा आप ये बताते है की आप list को किस तरह से order करना चाहते है। जैसे की यदि आप numbers की list चाहते है तो आप type attribute की value 1 define करते है। और यदि आप alphabet order में list को चाहते है तो type attribute की value a देते है। आप चाहे तो roman letters से भी list को define कर सकते है इसके लिए आप type attribute की value I देते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Type attribute </title>
</head>

<body>
<ol type="I">
<li>Ram</li>
<li>Shyam</li>
</ol>

</body>

</html>
```

Unordered list

Unordered list क्रिएट करने के लिए आप <ul> tag का इस्तेमाल करते है। इस tag के बाद <li> tag से list item define किये जाते है। इस तरह की list में type attribute की 3 values दी जा सकती है। Disc, Circle और square values से आप अलग अलग तरह की unordered list create कर सकते है। इसका उदाहरण आगे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title> Unordered list </title>
</head>

<body>
<ul type="square">
<li>Ram</li>
<li>Shyam</li>
</ul>

</body>
</html>
```

Definition list

Definition lists के द्वारा आप किसी term की definition provide करते है। Definition lists create करने के लिए आप <dl>, <dt> और <dd> tags इस्तेमाल करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title>Definition list </title>
</head>

<body>
<dl>
<dt>A</dt>
<dd>First letter of alphabet</dd>
<dt>B</dt>
<dd>Second letter of alphabet</dd>
</dl>

</body>

</html>
```

HTML frames

- Introduction to **HTML frames in Hindi**
- Creating *HTML frames in Hindi*
- <frameset> tag in Hindi
- Example

Introduction to HTML frames

किसी webpage को कई sections में divide किया जा सकता है। इन sections को आप frames भी कह सकते है। ये sections एक दूसरे से independent होते है। हर section एक अलग webpage को represent करता है। आसान शब्दों में कहें तो एक webpage को कई sections में divide करके उन sections में दूसरे webpages को show कर सकते है। इस तरह एक webpage के अंदर कई दूसरे webpages show किये जा सकते है। यानि हर section में एक अलग webpage load किया जा सकता है।

किसी एक frame में आप header create कर सकते है और किसी दूसरे frame में menus create की जा सकती है। ऐसे ही एक webpage को footer बनाया जा सकता है और दूसरे webpage को main window की तरह यूज़ किया जा सकता है।
Frames को सभी web browsers support नहीं करते है। और frames वाले webpage को किसी cell पर देखने में problems आ सकती है। Frames की वजह से अलग अलग computers पर webpage अलग अलग तरीके से दिखाई देता है। Frames को बहुत कम यूज़ किया जाता है। जब आपको सही में जरुरत हो तब ही frames का इस्तेमाल करे।

Creating HTML frames

जब आप frames को यूज़ करते है तो <body> tag नहीं यूज़ किया जाता है। किसी भी webpage में frames define करने के लिए <frameset> tag यूज़ किया जाता है। इस tag के rows और cols 2 attributes होते है। इन attributes की values % में दी जाती है। यदि एक webpage को 100% माने तो जितनी value आप देंगे वह frame उतनी ही जगह cover करता है।

Rows attributes से आप webpage को rows में divide करते है। और cols attributes से webpage में columns create किये जाते है।

```
 <html>

<frameset rows="10,90">
<frame src="html1.html">
<frame src="html2.html">
</frameset>

</html>
```

उपर दिए हुए example में एक page को 3 frames में divide किया गया है। <frame> tag के द्वारा individual frames को configure किया जाता है। <frame> tag के src attribute के द्वारा आप webpage का URL define करते है। कौनसा frame कँहा show होगा यह उस frame के order पर depend करता है। जिन जिन webpages का URL आप देंगे वो automatically उन frames में load हो जायेंगे।

इसके बाद आप एक frame से किसी action को दूसरे frame में भी target कर सकते है। उदाहरण के लिए किसी एक frame में link पर click करके आप दूसरे frame में कोई webpage open कर सकते है।

Attributes

<frameset> tag के कुछ attributes होते है जिन्हे यूज़ करके आप सारे frames को configure कर सकते है।

- cols - आप कितने columns का frameset create करना चाहते है ये इस attribute के द्वारा define किया जाता है। साथ ही सभी columns की size भी define की जाती है।
- rows - आप कितनी rows में frameset को divide करना चाहते है ये इस attribute के द्वारा define किया जाता है। और उनकी size भी आप इस attribute से ही define करते है।
- frameborder - इस attribute के द्वारा ये define किया जाता है की आप frames की border show करना चाहते है या नहीं। इस attributes की yes और no सिर्फ 2 values हो सकती है।
- framesspacing - इस attribute के द्वारा frames के बीच में space define किया जाता है।

<frame> tag के साथ भी कुछ attributes provide किये गए है जिन्हे use करके आप हर frame को separately configure कर सकते है।

- src - इस attribute के द्वारा frame के लिए webpage का address define किया जाता है।
- noresize - इस attribute से आप define करते है की frame को resize किया जा सकता है या नहीं।
- scrolling - इस attribute से define किया जाता है की frame को scroll कर सकते है या नहीं।
- name - इस attribute से आप frame को कोई नाम देते है।

```
<html>


<frameset rows="90,10">
<frame src="html1.html" noresize="yes" scrolling="no">
<frame src="html2.html" noresize="yes" scrolling="no">


</frameset>


</html>
```

Targeting frames

एक frame से किसी दूसरे frame को target करने के लिए आप links में target attribute use करते है। और उस attribute की value के रूप में आप जिस frame में उस link को open करना चाहते है उस frame का नाम लिख देते है। लेकिन इसके लिए पहले आपको <frame src> tag में frame का नाम define करना होता है। इसके लिए आप name attribute यूज़ करते है।

```
<html>

<frameset rows="90,10">
<frame src="html1.html" name="myFrame">
<frame src="html2.html" name="yrFrame">

</frameset>

</html>
```

```
<html>

<body>
<a href="www.google.com" target="myFrame">myLink</a>
<a href="www.google.com" target="yrFrame">yrLink</a>
</body>
</html>
```

HTML blocks

- Introduction to **HTML blocks in Hindi**
- HTML *Div tag in Hindi*
- HTML span tag in Hindi

Introduction to HTML blocks

HTML में block level और inline 2 तरह के tags होते है। जब भी block level tags webpage में show होते है तो automatically इनके पहले और बाद में एक line का space होता है। कुछ common block level tags के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

- div
- p
- h1

दूसरे तरीके के tags inline tags होते है। जब ये tags यूज़ किये जाते है तो webpage में ये अपने पहले यूज़ किये गए tag की line में ही show हो जाते है। यदि आप
 tag इस्तेमाल ना करे तो इनके पहले और बाद में कोई space नहीं होता है। कुछ inline tags नीचे दिए जा रहे है।

- span
- anchor
- img

HTML <Div> tag

 tag page को divide करने के लिए यूज़ किया जाता है। इसे division tag भी कहते है। इस tag में आप दूसरे HTML tags को यूज़ कर सकते है। एक block level tag है। इस tag को CSS के साथ यूज़ करते हुए आप अपने webpage को design कर सकते है। ये page पुरे page को section में divide कर देता है।

इन sections को आप जरुरत पड़ने पर hide और show कर सकते है। ऐसा करने पर information webpage पर होते हुए भी visitor को तब show होगी जब वह देखना चाहेगा। पर apply की गयी CSS के अंदर के सभी tags पर apply होती है।

किसी webpage की अलग अलग तरह की information को separate करने के लिए tag को यूज़ किया जा सकता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Div tag demo </title>
</head>

<body>
<div style="color:black;background-color:green;padding:10px;margin:20px;">

This is a cool website you can learn all programming languages here in
Hindi language.

</div>

<div style="color:black;background-color:red;padding:10px;">

This is another div. What i am trying to tell you is that these two div's
are different. And will act differently.
</div>

</html>
```

Some other block level tags

Tags	Explanation
<form>	<form> tag एक block level tag होता है। इस tag से आप किसी webpage पर form की beginning और end define करते है। बाकी दूसरे HTML forms से related tags इसी tag के अंदर आते है।
<h1>.....<h6>	सभी heading tags block level tags होते है। हर heading खुद का एक block define करती है जिसके पहले और बाद में automatic line break होता है।
<p>	जैसा की आप जानते है <p> tag से paragraph define किया जाता है और हर paragraph के पहले और बाद में line break होता है। इसलिए <p> tag को भी block level tag माना गया है।
,	दोनों list tags or block level tags होते है। क्योंकि कर list खुद का एक section define करती है।
<table>	<table> tag भी एक block level tag माना जाता है क्योंकि ये एक अलग section create करता है। जो page के पुरे content से अलग होता है। और अपने पहले और बाद में line break include करता है।
<pre>	ये एक block level tag होता है। इसमें दूसरे सभी tags यूज़ किये जा सकते है। और इसे यूज़ करने से जैसे आप text editor में tags को configure करते है वैसे ही वे webpage पर show होता है।

HTML tag

 एक inline tag है। इससे आप text format करते है। जब भी आप इस tag को यूज़ करते है तो इससे आपका text दूसरी line में ना जाकर उसी line में रहता है। जो text इस tag के बीच रहता है formatting बस उसी पर apply होती है। tag के खुद के कोई attributes नहीं होते है लेकिन आप style और class attributes को इस tag के साथ यूज़ कर सकते है। इस tag को आप headings में भी यूज़ कर सकते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>

<body>

<p>
This is a paragraph. In this paragraph if you want to apply formatting to
certain words then you can <span style="color:red;"> put them in span tag.
</span>
</p>

</body>

</html>
```

Some other inline tags

Tags	Explanation
<a>	<a> tag को inline tag माना जाता है। इसे यूज़ करते हुए आप किसी भी text को link बना सकते है। ऐसा करने से वह webpage में उसी line में show होता है।
<b>	<b> tag बिना line break के किसी भी text को bold करता है। इसलिए ये भी एक inline tag होता है।
<i>	<i> tag text को italic बनाता है। और ये भी एक inline tag होता है।
<u>	<u> tag से आप text को underline करते है। इसे भी inline tag माना जाता है।
<img>	<img> tag से आप किसी text line के बीच में image insert कर सकते है। ऐसा करने से text में कोई line break नहीं आता है। इसलिए <img> tag भी एक inline tag होता है।
<input>	<input> tag से आप form के अंदर दूसरे elements create करते है जैसे की text-box और button आदि। लेकिन यदि आप tag यूज़ ना करे तो इन elements के बीच कोई line break नहीं होता है।

HTML forms

- Introduction to **HTML forms in Hindi**
- <form> tag in *HTML forms in Hindi*
- <input> tag in HTML forms in Hindi
- Attributes of form tag in Hindi

Introduction to HTML forms

किसी भी webpage पर यदि आप यूज़र से कोई information लेना चाहते है तो इसके लिए आप forms का इस्तेमाल करते है। उदाहरण के लिए जब भी आप कोई नयी email id create करते है तो सबसे पहले sign up form भरते है। ऐसा करके आप अपनी information webpage के द्वारा provide करते है। Forms यूज़र से input प्राप्त करने का सबसे common तरीका होता है। कोई भी form यूज़र से input लेता है और जब यूज़र उस form को submit करता है तो ये सारी information किसी database में store कर ली जाती है। User से information input करवाने के लिए आप कई प्रकार के form elements यूज़ कर सकते है। जैसे की text-box, radio button, drop-down list आदि।

किसी भी webpage में forms create करने के लिए आप <form> tag यूज़ करते है। ये container tag होता है जो की पुरे form की beginning और ending define करता है। इस tag के अंदर अलग अलग form elements define किये जाते है। <form> tag के कुछ attributes के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Attribute	Explanation
action	इस attribute से आप define करते है की form submit होने पर क्या करना है। जैसे की यूज़र के form submit करते ही आप कोई दूसरे webpage में thank you message शो कर सकते है या कोई php script execute करवा सकते है।
method	इस attribute से आप data को store करने का method define करते है। इस attribute की केवल 2 values GET या POST हो सकती है।
target	इससे आप form submission के बाद जो window show होगी वह define करते है।

Form elements आप <input> tag के द्वारा define करते है। इस tag के कुछ attributes होते है जो आप elements को configure करने के लिए यूज़ करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Attribute	Explanation
name	इस attribute से particular form element का नाम define किया जाता है। बाद में यही नाम server value को store करने के लिए यूज़ करता है।
type	ये element का type show करता है। इससे ये भी पता चलता है की किस तरह की value input की जा सकती है। जैसे text-boxes के लिए type text होता है।
size	इससे से आप किसी form element की size width में define करते है। जैसे की आप किसी text-box अपने according width दे सकते है।
value	ये किसी element की default value हो सकती है। जैसे की आप किसी text box के अंदर first name लिखा हुआ देखते है।

आइये अब देखते है की इन tags और attributes को यूज़ करते हुए आप कैसे एक complete form create कर सकते है।

Creating text boxes

HTML में forms के लिए text-boxes क्रिएट करना बहुत ही easy है। इसके लिए आप <input> tag के type attribute में text value define करते है। कोई भी default value देने के लिए जो text-box के अंदर show होगी आप value attribute यूज़ कर सकते है। यदि आप password input करने के लिए text-box बना रहे है तो type password देना होगा। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Text box demo</title>
</head>

<body>

<form>
Enter your email :<input type="text" value="Email..." name="email" size="
20"> <br><br>
Enter your password :<input type="password" value="Password..." name="pass"
size="20">
</form>

</body>

</html>
```

Creating buttons

HTML में आप 4 तरह से buttons क्रिएट कर सकते है। इन्हे आप type attribute के द्वारा define करते है।इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

- Submit - ये button form submit करने के लिए यूज़ किया जाता है। ये button पुरे form के सभी elements की values को एक साथ server पर send कर देता है। आप type attribute में submit value define करके इस तरह का button क्रिएट कर सकते है।
- Reset - इस button से पुरे form के fields की values को reset करने के लिए यूज़ किया जाता है। Reset button create करने के लिए आप type attribute में reset value define करते है।
- Normal button - ये एक normal button होता है जिस पर click होते ही आप कोई भी action ले सकते है। इस तरह का button क्रिएट करने लिए आप type attribute के value button देते है।
- Image button - इस तरह के button में आप button के background में कोई image दे सकते है। इस तरह का button create करने के लिए आप type attribute की value image देते है।

```
<html>
<head>
<title>Button demo</title>
</head>

<body>

<form>
<input type="submit">
<input type="reset">
<input type="button" value="Click here">
<input type="image" value="image-file-path-here">
</form>

</body>

</html>
```

Creating radio buttons

Radio buttons के द्वारा यूज़र बिना keyboard के webpage को information provide करता है। Radio button एक गोल box होता है जिसे choose करके user अपनी choice बताता है। जैसे की यदि आप user के gender के बारे में जानना चाहते है तो आप 2 radio buttons create करके उनके नाम male और female दे सकते है। यूजर इनमे से कोई भी choose करके अपना gender बता सकता है। आप 2 या 2 से अधिक radio buttons को name attribute के द्वारा connect कर देते है ताकि user एक समय पर केवल एक ही radio button select सके। जिन radio buttons को आप आपस में connect करना चाहते उनके आप name same देते है।

Radio button क्रिएट करने के लिए आप <input> tag के type attribute की value radio देते है। Name attribute में radio button का नाम दिया जाता है। जैसा की मैने ऊपर बताया यदि आप Radio buttons का group बनाना चाहते है ताकि user एक बार में सिर्फ एक ही radio button select कर सके तो ऐसी situation में आप सभी radio buttons को एक ही नाम देते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Radio Button Demo </title>
</head>

<body>

<form>

Select you Gender: <br>
 <input type="radio" name="gender"> Male
<input type="radio" name="gender"> Female
</form>

</body>

</html>
```

Creating drop down list

Drop down list create करने के लिए आप <select> tag इस्तेमाल करते है। इस tag को form tag के अंदर define किया जाता है। ये tag drop down list का structure क्रिएट करता है। Drop down list की values define करने के लिए <option> tag को define किया जाता है। आप जितने list item add करना चाहते है उतने ही <option> tag define करते है। <option> tag को <select> tag में define किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title>Drop down list demo </title>
</head>

<body>
<form>

<select>
<option>Select</option>
<option value="Male">Male</option>
<option value="Female">Female</option>
</select>

</form>

</body>
</html>
```

Creating check boxes

Check boxes के द्वारा किसी भी user को multiple options को choose करने के facility दी जाती है। जैसे की यदि आप चाहते है की user multiple courses choose करे तो आप check boxes create कर सकते है और user उन्हें select कर सकता है।

Check boxes क्रिएट करना बहुत ही आसान होता है। इसके लिए आप <input> tag के type attribute में check box value देते है और Name attribute में check-box का नाम देते है। Value attribute की value भी आप दे सकते है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title>Check box demo </title>
</head>

<body>

<form>
<input type="checkbox" name="MCA" > MCA
<input type="checkbox" name="BTECH"> Btech
<input type="checkbox" name="BCA">BCA
<input type="checkbox" name="BCA">M. tech
</form>

</body>

</html>
```

HTML font tag

- Introduction to **HTML font tag in Hindi**
- Attributes of *HTML font tag in Hindi*
- Examples of HTML font tag in Hindi
- Commenting in HTML in Hindi

Introduction to HTML font tag

अपनी website के fonts को configure करके आप उसे और भी attractive, readable और structured बना सकते है। By default आपकी website की font family कुछ भी हो सकती है। लेकिन इसे आप अपनी website के हिसाब से configure करके कोई दूसरी font family भी यूज़ कर सकते है। साथ ही आप font का color भी change कर सकते है।

Fonts को configure करने के लिए HTML <font> tag provide करती हैं। इस tag को आप किसी paragraph पर भी apply कर सकते है और आप चाहे तो किसी paragraph में particular text पर भी इसे apply किया जा सकता है। <font> tag को HTML 5 में include नहीं किया गया है। HTML 5 में इसकी जगह CSS का प्रयोग किया जाता है।

<font> tag के 3 attributes होते है।

- size - इस attribute से आप font की size change कर सकते है। Font की size numbers में दी जाती है।
- face - इस attribute के द्वारा font family change की जाती है। आप जो font family चाहते है उसे inverted commas में define करते है।
- color - ये attribute font का कलर change करने के लिए यूज़ किया जाता है। आप color का hex code लिख सकते है या फिर color का नाम भी दे सकते है।

Setting font size

Font की size आप size attribute से define करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>Font size demo </title>
</head>

<body>
<font size="10" > HTML in Hindi</font>
</body>
</html>
```

Setting font family

Font family set करने के लिए आप face attribute यूज़ करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>font family demo</title>
</head>

<body>
<font face="Verdana">Learn HTML In Hindi</font>
</body>

</html>
```

Setting font color

Font का color आप color attribute से change करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

```
<html>
<head>
<title>font color demo </title>
</head>

<body>
<font color="red">HTML tutorial in Hindi</font>
</body>

</html>
```

Commenting in HTML

कई बार ऐसा होता है की एक developer के द्वारा लिखी हुई script को दूसरे developers भी यूज़ करते है। इसलिए उस script को explain करना necessary हो जाता है ताकि दूसरे developers को आपकी script यूज़ करने में कोई problems ना हो।

Script को explain करने के लिए आप comments को यूज़ कर सकते है। HTML में comments define करना बहुत ही आसान है। Comments interpret नहीं होते है। HTML interpreter comments को skip कर जाता है। यानि comments में लिखा हुआ कोई भी text आपके webpage पर कोई भी असर नहीं डालता है। अपनी script लिखते समय comment करना एक बहुत ही professional habit है।

HTML में comments भी tags के द्ववरा किये जाते है। इसके लिए HTML आपको एक unique tag provide करती है।

```
<!-- your comment here -->
```

इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

```
<html>
<head>
<title>commenting demo</title>
</head>

<body>

<p> Hello </p> <!-- A paragraph -->

</body>

</html>
```

HTML <embed> tag

- Introduction to **HTML <embed> tag in Hindi**
- HTML *<embed> tag attributes in Hindi*
- Using HTML <embed> tag in Hindi
- HTML <noembed> tag in Hindi
- HTML <audio> tag in Hindi
- HTML <video> tag in Hindi

Introduction to HTML <embed> tag

यदि आप अपने webpage में कोई multimedia file add करना चाहते है जैसे की audio, video या flash आदि तो इसके लिए HTML आपको <embed> tag provide करती है। इस tag को यूज़ करते हुए आप अपने webpage में आसानी से कोई भी multimedia file add कर सकते है।

<embed> tag webpage के अंदर एक panel create करता है जिसमें आपकी multimedia file show होती है। जब आप <embed> tag यूज़ करते है तो उसके controls browsers automatically panel में provide करता है। जैसे की यदि आपने कोई video add किया है तो उसके लिए play, pause आदि controls browser द्वारा automatically provide किये जाते है।

HTML 5 में हर तरह की media file के लिए एक अलग tag भी provide किया गया है। जैसे की <audio>, <video> आदि।

इन tags के बारे में आगे बताया जायेगा। लेकिन उससे पहले आइये देखते है की <embed> के साथ कौन कौन से attributes यूज़ किये जा सकते है।

HTML <embed> tag attributes

HTML <embed> tag के साथ 4 essential attributes यूज़ किये जाते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Attributes	Description
src	इस attribute के द्वारा आप उस file का address देते है जिसे आप webpage में include करना चाहते है।
height	इस attribute द्वारा create किये गए panel की height define की जाती है।
width	ये attribute create किये गए panel की width define करता है।
type	इस attribute से आप include की गयी file का type define कर सकते है।

इन attributes के अलावा global और event attributes भी <embed> tag के साथ यूज़ किए जाते है।

Using HTML <embed> tag

आइये अब <embed> tag को एक उदाहरण से समझने का प्रयास करते है।

```
<html>
<head>
<title> embed tag example</title>
</head>

<body>
<h1>My favorite song</h1>
<embed src="/media/video/myFile" height="300" width="300">
</body>

</html>
```

ऊपर दिए गए उदाहरण में <embed> tag के द्वारा एक video file को webpage में add किया गया है। इस video file की height और width 300 होगी।

HTML <noembed> tag

सभी browsers <embed> tag को support नहीं करते है। ऐसे browsers के लिए आप <noembed> tag यूज़ कर सकते है। इस tag को <embed> tag के अंदर यूज़ किया जाता है।

यदि किसी browser में <embed> tag support नहीं कर रहा है तो इस tag के द्वारा आप उस media file की जगह उस browser में कोई image show कर सकते है। आइये इसे एक उदाहरण से समझने का प्रयास करते है।

```
<html>
<head>
<title>no embed tag example </title>
</head>

<body>

<embed src="/media/videos/myFile" height="" width="">
<noembed src="/media/images/myFile">
</embed>

</body>

</html>
```

ऊपर दिए गए उदाहरण में यदि कोई browser <embed> tag को support नहीं करता है तो उसकी जगह <noembed> tag में define की गयी image show होगी।

HTML <audio> tag

Audio tag के द्वारा आप किसी भी webpage में audio files जैसे की mp3 add कर सकते है। ये एक inline tag होता है। यानि आप इसे किसी text line में add कर सकते है। इस tag की common properties के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

Attributes	Description
src	इस attribute के द्वारा आप audio file का address define करते है।
autoplay	इस attribute से आप audio file को load होते है automatically play होने के लिए set कर सकते है।
controls	ये attribute बताता ही की audio file के साथ कौनसे controls show होंगे।
loop	इस attribute के द्वारा define किया जाता है की audio file repeat होगी या नहीं। इस attribute की true और false 2 values होती है।
muted	इस attribute के द्वारा ये define किया जाता है की audio file जब load होगी तो वह mute होगी।
preload	ये attribute define करता है की audio file कैसे और कब load होनी चाहिए।

नीचे <audio> tag को उदाहरण द्वारा समझाया गया है।

```
<html>
<head>
<title>audio tag example</title>
</head>

<body>

<h1> My favorite song </h1>

<audio controls="controls">
<source src="media/Audio/example.mp3">
</audio>

</body>

</html>
```

HTML <video> tag

HTML <video> tag के द्वारा आप किसी भी webpage में video file add कर सकते है। इस tag के साथ वही attributes यूज़ किये जाते है जो <audio> tag के साथ यूज़ किये जाते है। इस tag को नीचे उदाहरण द्वारा समझाया गया है।

```
<html>
<head>
<title>video tag example</title>
</head>

<body>

<video controls="controls">
<source src="media/video/example.mp4">
</video>

</body>

</html>
```